24 घंटे बिजली का नया नुस्खा

रेणु भट्टाचार्य

वे इसे अनइंटरप्टेड डायरेक्ट करंट (यूडीसी) कहते हैं और इसे बिजली कटौती की समस्या खत्म करने का शानदार तरीका बताते हैं। भले ही पावर कट हो, यूडीसी की मदद से ग्रिड से बिजली मिलती रहेगी।

भारत सरकार और चेन्नई के भारतीय तकनीकी संस्थान (आईआईटी) ने एक नई साझेदारी की है जो बार-बार बिजली कटौती की समस्या का हल साबित हो सकती है।

भारत के कई राज्य पावर कट की समस्या से जूझ रहे हैं। कहीं कभी भी बिजली चली जाती है, तो कहीं रोज़ तीन-चार घंटे बिजली गुल रहती है। गांवों की तो बात ही छोड़ दीजिए। खेतों में काम करने वालों के लिए जहां दिन में बिजली होनी चाहिए वहीं उन्हें बेवक्त बिजली दी जाती है। कई मामलों में उनका पूरा दिन बिजली आने के हिसाब से चलता है।

बिजली कटौती उद्योगों, खेती और छोटे-मझौले व्यवसायों और कारखानों के लिए गंभीर परेशानी है।

दक्षिण भारत के चार राज्यों में नई तकनीक का परीक्षण किया जा रहा है। यूडीसी नाम की तकनीक ग्रिड से सीधे बिजली को पंखे, टीवी, ट्यूबलाइट और मोबाइल फोन चार्जर जैसे उपकरणों तक पहुंचाती है। भले ही पावर कट का समय हो या बिजली की मांग ज़्यादा हो और आपूर्ति कम, जैसे गर्मियों के दिनों में होता है। यह आइडिया है आईआईटी चेन्नई के भास्कर राममूर्ति और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और प्रधानमंत्री के विज्ञान सलाहकार अशोक झुनझुनवाला का। राममूर्ति बताते हैं कि यूडीसी घरों को हर दिन कम से कम सौ वॉट बिजली देगा। इसके लिए उन्हें एक छोटा अतिरिक्त उपकरण लेना होगा। वे बताते हैं, "घर में आप मीटर के साथ एक छोटा उपकरण और लगा दें। इससे एसी पावर के अलावा हम 48 वोल्ट का डीसी भी दे सकते हैं। यह आपको सिर्फ 48 वोल्ट डीसी और सौ वॉट ग्रिड से देगा लेकिन पूरे 24 घंटे बिजली रहेगी।"

बिजली कटौती की स्थिति में भी न्यूनतम बिजली घर को मिलती रहेगी। राममूर्ति कहते हैं कि इसकी मदद से घुप अंधेरा नहीं होगा। एक अलग मीटर से तीन लाइटों, दो पंखों और एक मोबाइल चार्जर को बराबर बिजली मिलती रहेगी। जो इस स्कीम में शामिल होना चाहते हैं उन्हें हज़ार रुपए का एक उपकरण लेना होगा। साथ ही एलईडी बल्ब और वैसे पंखे लेने होंगे जो सीधे डीसी करंट पर चलते हैं। इससे लाखों घरों को ज़्यादा मांग या पावर कट की स्थिति में भी बिजली मिलती रहेगी। अगर यूडीसी में सोलर पैनल भी लगा दिए जाएं तो करंट और बढ़ जाएगा।

यह सिस्टम इतना सक्षम है कि बड़े कॉम्पलेक्स भी यूडीसी और सोलर पैनल की मदद से डीज़ल जनरेटर से पीछा छुड़वा सकेंगे।

तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्रप्रदेश में इस तकनीक का परीक्षण किया जा रहा है जो भारत की तस्वीर बदल सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***